who draw salary equal to the amount of the said pension;

(b) if so, what is the difference between the two different amounts of dearness allowance given to pensioners and regular employees in different categories of services; and

(c) what are the reasons for which less amount of dearness allowance is paid to the pensioners?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SAWAI SINGH SISODIA): (a) Yes, Sir.

(b) The serving employees getting basic pay upto Rs. 400/- per month are sanctioned additional D. A. at the rate of 4 per cent of rise of 8 points in the 12 monthly average of the All India Working Class Consumer Price Index and employees getting basic pay of more than Rs 400/- per month are sanctioned additional D. A. at the rate of 3 per cent per month on a similar rise in the price index, subject to certain minimum and maximum amounts. The pensioners, irrespective of their amount of pension, are being paid additional relief at the rate of 2½ per cent on a rise of every 8 points in the 12 monthly average of the price index, subject to a minimum of Rs. 2.50 and a maximum of Rs. 12.50 per month.

(c) The amount of D.A. relief being paid to the pensioners is based on the recommendations of the Third Pay Commission which was accepted by the Government. The Commission did not recommend the grant of D. A. relief to pensioners, at the same rate as allowed to serving employees as the family and other responsibilities of a pensioner are not considered to be of the same order as of a serving Government employee.

बिड़ला, टाटा, मफतलाल आदि द्वारा संचालित व्यवसायों के विरुद्ध बकाया कर राशि

2374. **श्री हुकमदेव नारायण यादव :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिड़ला, टाटा, मफतलाल, थापर, जे० के० सिंघानिया, सिन्धिया, बांगुर, साहू जैन, मोदी, श्री राम और सूरज मल नागरमल द्वारा संचालित व्यवसाय प्रतिष्ठानों के विरुद्ध बकाया कर राशि का ब्यौरा क्या है ; और उनके परिवारों के प्रत्येक सदस्य, प्रबन्ध मण्डलों के सदस्यों, प्रबन्ध निदेशकों और प्रबन्धकों के ऊपर, अलग अलग, कर की बकाया राशि क्या है ;

(ख) क्या आयकर के तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा उन सभी की सम्पत्ति की कोई जांच की गई है ;

(ग) क्या यह सच है कि जांच के दौरान उन्होंने जो आयकर विवरण दाखिल किये थे उनमें काफी गड़बड़ी है; और

(घ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सवाई सिंह सिसोदिया) : (क) जिन व्यावसायिक कम्पनियों के बारे में यह समझा जा सकता है कि वे बिड़ला, टाटा, मफतलाल, थापर, जे के० सिंघानिया, सिंधिया, बांगुर, साहू जैन, मोदी, श्री राम तथा सूरजमल नागरमल द्वारा चलाई जा रही हैं उन सभी के बारे में तथा उनके परिवार के सदस्यों, पबन्धकों आदि के बारे में करों की

उगाहियों तथा बकाया के बारे में पूरी सूचना तत्काल उपलब्ध नहीं है। तथापि, 10 लाख रुपये से अधिक की आयकर की मांगों के बारे में समय-समय पर इकट्ठी की गयी सूचना से, एकाधिकार तथा अवरोधक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत पंजीकृत कम्पनियों के विरुद्ध बकाया पड़ी ऐसी मांगें जो 30-9-81 की स्थिति के अनुसार उक्त औद्योगिक घरानों से संबंधित हैं, संलग्न विवरण पत्रों में बतायी गयी हैं।

(ख) से (घ) : कम्पनी की आयकर विवरणियों तथा लेखों इत्यादि की समुचित आयकर, प्राधिकारियों द्वारा उस सीमा तक जांच की जाती है जहां तक कि वह आयकर अधिनियम और उसके अन्तर्गत बनाये गये नियमों के अधीन आयकर के निर्धारण के लिए कम्पनी की कुल आय निर्धारित करने के लिए आवश्यक होती है। लेकिन यदि माननीय सदस्य किसी कम्पनी विशेष के संबंध में कोई विशिष्ट सूचना चाहते हों तो वह एकत्र करके प्रस्तुत की जा सकती है।

विवरण

कुछ बड़े औद्योगिक घरानों की कम्पनियों के विरुद्ध 30-9-81 की स्थिति के अनुसार बकाया पड़े कर

(लाख रुपयों में)

औद्योगिक घरानों का नाम	कम्पनियों की संख्या	बकाया कर	देय नहीं बनी मांग
1. बिड़ला . .	16	968.63	914.91
2. टाटा . .	5	114.80	20.21
3. मफतलाल .	1	16.00	—
4. थापर . .	—	—	—
5. जे० के० सिंघानिया	4	688.19	4.04
6. सिंघानिया . .	—	—	—
7. बांगुर . .	1	19.03	—
8. साहू जैन . .	—	—	—
9. मोदी . .	3	623.43	—
10. श्रीराम . .	1	41.12	19.44
11. सूरजमल नागरमल .	3	276.76	111.04

Option for India to become a nuclear power

†2375. SHRI G. C. BHATTACHARYA: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) what are the reasons for which Government are not exercising the option of becoming a medium nuclear power at a time when the country is being surrounded by the countries, possessing nuclear weapons, particularly when the country has the infrastructure for becoming such a power; and

(b) what are the steps Government propose to take to meet the threats to the country from the coun-

†Previously Unstarred Question 2063, transferred from the 18th March, 1982